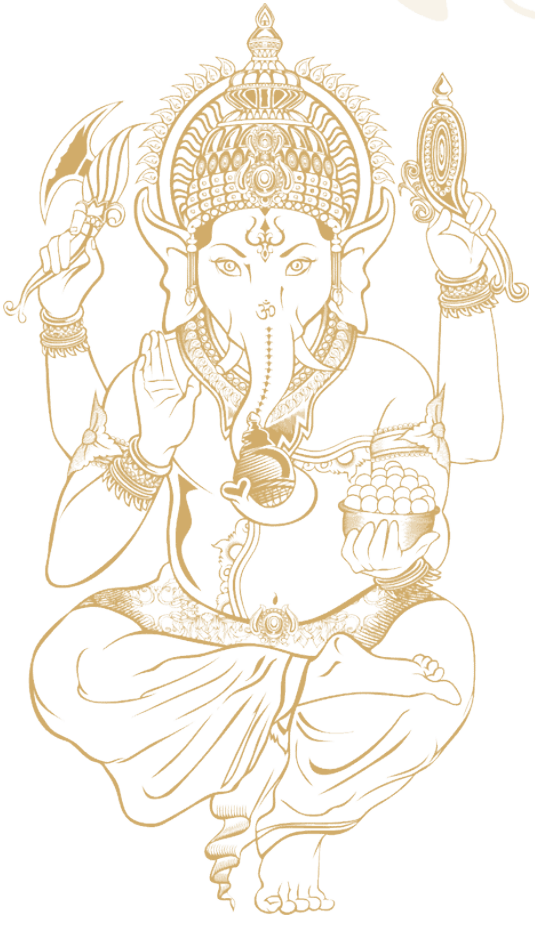

ANURAG Niharika

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121327301

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121327301 Date: 19/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/12/1991	जन्म तिथि	17-18/07/1995
मंगलवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 08:35:00	जन्म समय	04:58:00 घंटे
घटी 05:43:47	जन्म समय(घटी)	59:34:07 घटी
India	देश	India
Bokaro	स्थान	Gaya
23:51:00 उत्तर	अक्षांश	24:48:00 उत्तर
86:02:00 पूर्व	रेखांश	85:00:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:14:08	स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:17:29	सूर्योदय	05:10:38
16:59:08	सूर्यास्त	18:41:13
23:44:56	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:51
धनु	लग्न	मिथुन
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	बुध
मकर	राशि	मीन
शनि	राशि-स्वामी	गुरु
उत्तराषाढ़ा	नक्षत्र	उ०भाद्रपद
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	शनि
4	चरण	4
ध्रुव	योग	अतिगण्ड
विष्टि	करण	विष्टि
जी-जीवन	जन्म नामाक्षर	ञ--
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क
वैश्य	वर्ण	विप्र
जलचर	वश्य	जलचर
नकुल	योनि	गौ
मनुष्य	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
सिंह	वर्ग	सिंह

MAA MATANGI FALIT JYOTISH KENDRA
Gayatri nagar near G L A college daltonganj
Palamu jharkhand (822102)
Call-6201143328 what's-7061110945
pt.raviranjanprabhu108@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	मिथु	27:25:44
सूर्य	कर्क	01:06:40
चंद्र	मीन	13:49:30
मंगल	कन्या	04:12:11
बुध	मिथु	19:35:00
गुरु व	वृश्चि	12:06:38
शुक्र	मिथु	21:45:29
शनि व	मीन	00:50:32
राहु व	तुला	07:49:30
केतु व	मेष	07:49:30
हर्ष व	मक	04:50:54
नेप व	मक	00:20:39
प्लूटो व	वृश्चि	04:08:46

विंशोत्तरी
सूर्य 1वर्ष 3मा 27दि
राहु
07/04/2010
07/04/2028

राहु	18/12/2012
गुरु	14/05/2015
शनि	20/03/2018
बुध	06/10/2020
केतु	25/10/2021
शुक्र	24/10/2024
सूर्य	18/09/2025
चन्द्र	20/03/2027
मंगल	07/04/2028

विंशोत्तरी
शनि 4वर्ष 0मा 18दि
शुक्र
05/08/2023
05/08/2043

शुक्र	04/12/2026
सूर्य	05/12/2027
चन्द्र	04/08/2029
मंगल	04/10/2030
राहु	04/10/2033
गुरु	04/06/2036
शनि	05/08/2039
बुध	05/06/2042
केतु	05/08/2043

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:44:56 चित्रपक्षीय अयनांश 23:47:51

लग्न-चलित

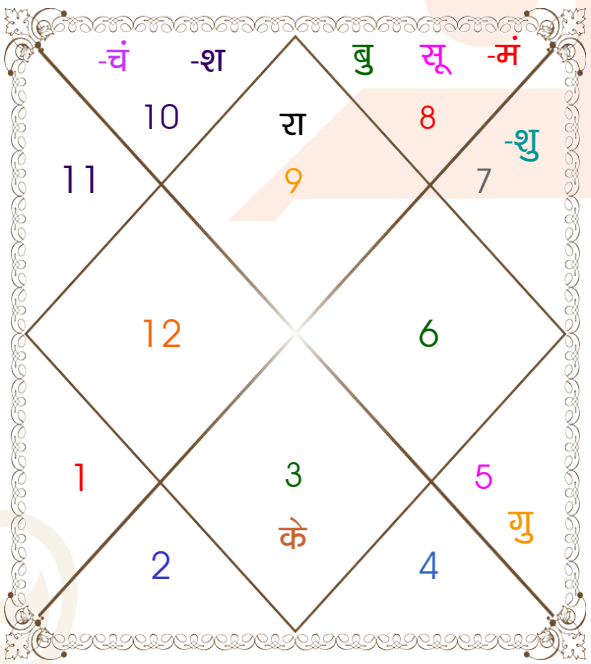

लग्न-चलित

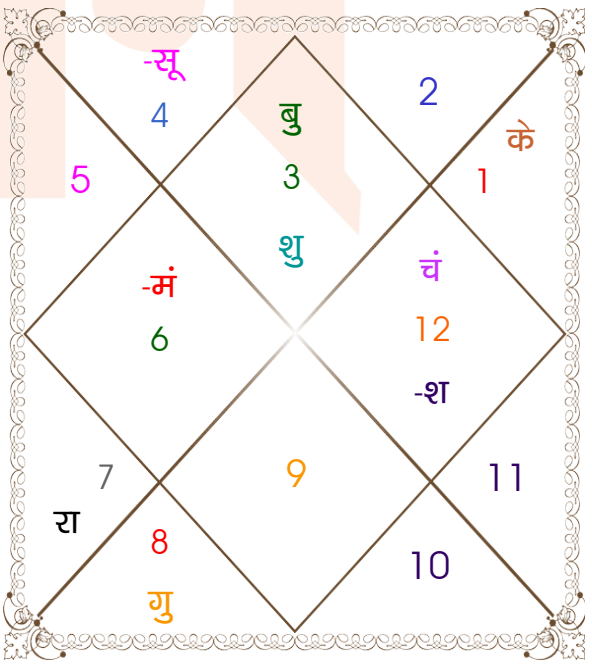

MAA MATANGI FALIT JYOTISH KENDRA
Gayatri nagar near G L A college daltonganj
Palamu jharkhand (822102)
Call-6201143328 what's-7061110945
pt.raviranjanprabhu108@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	नकुल	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	गुरु	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.50		

कुल : **28.5 / 36**

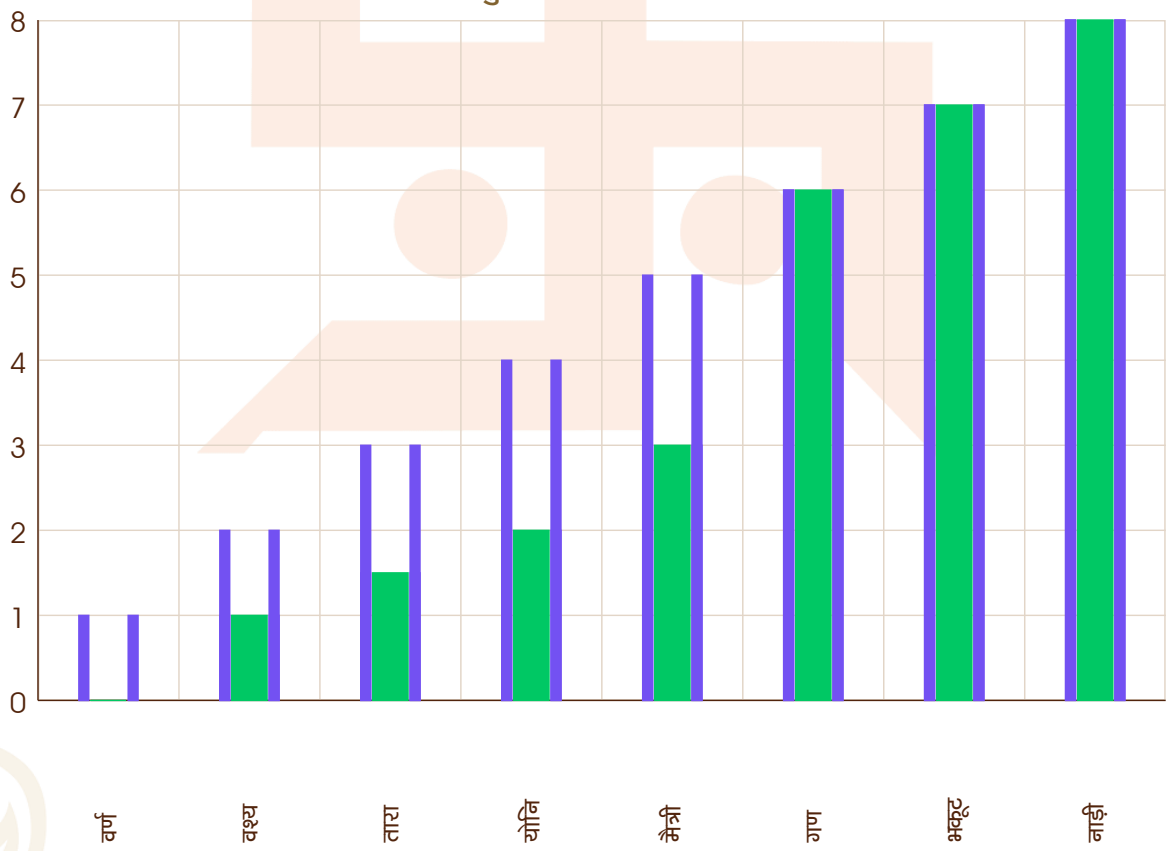

MAA MATANGI FALIT JYOTISH KENDRA
Gayatri nagar near G L A college daltonganj
Palamu jharkhand (822102)
Call-6201143328 what's-7061110945
pt.raviranjanprabhu108@gmail.com

अष्टकूट मिलान

।छन्‍्त।ळ का वर्ग सिंह है तथा छपींतपां का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।छन्‍्त।ळ और छपींतपां का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

।छन्‍्त।ळ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ।छन्‍्त।ळ कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढप्ण्;डडम्गंवूदक्मइ;0द्धत्र1द्धझ क्योंकि मंगल ।छन्‍्त।ळ कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

छपींतपां मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

।छन्‍्त।ळ तथा छपींतपां में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

।छन्द।ळ का वर्ण वैश्य है तथा छपींतपां का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि छपींतपां का वर्ण ।छन्द।ळ के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। छपींतपां अति अहंकारी, शाहखर्च एवं दिखावा करने वाली होगी। छपींतपां को हमेशा यह महसूस होता रहेगा कि उसका पति निम्न दर्जे का है तथा बहुत कम कमाता है। इस कारण से उसमें निराशा की भावना घर कर कर सकती है।

वश्य

।छन्द।ळ का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं छपींतपां का वश्य जलचर है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। पशु एवं जलचर दोनों का साथ-साथ प्रकृति में सह अस्तित्व होता है। इसलिये दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार एवं पसंद/नापसंद अलग-अलग होंगे। जिसके फलस्वरूप दोनों शायद ही कभी एक-दूसरे को नुकसान पहुंचायेंगे। ।छन्द।ळ एवं छपींतपां दोनों अपने-अपने अलग कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व निभाते रहेंगे। इस मिलान में ।छन्द।ळ एवं छपींतपां दोनों एक-साथ प्रेमपूर्वक अपने कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

।छन्द।ळ की तारा प्रत्यरि तथा छपींतपां की तारा साधक है। ।छन्द।ळ की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत ।छन्द।ळ कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूप छपींतपां को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

योनि

।छन्द।ळ की योनि नकुल है तथा छपींतपां की योनि गौ है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से

कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ।छन्द।ळ एवं छर्पीतपां दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्य म करना पड़ सकता है।

गण

।छन्द।ळ का गण मनुष्य तथा छर्पीतपां का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

।छन्द।ळ से छर्पीतपां की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा छर्पीतपां से ।छन्द।ळ की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण ।छन्द।ळ अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर छर्पीतपां सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेंगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

नाड़ी

।छन्द।ळ की नाड़ी अन्त्य है तथा छर्पीतपां की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की

नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियों पित्त एवं कफ की कारक हैं। जिसके कारण दम्पत्ति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य, सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

।छन्त।ळ की राशि भूमितत्व युक्त मकर तथा छपींतपां की राशि जलतत्व युक्त मीन राशि है। राशि के तत्वों में समानता होने के कारण ।छन्त।ळ और छपींतपां के मध्य स्वभावगत समानताएं होंगी जिससे इनके परस्पर संबध मधुर रहेंगे तथा वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

।छन्त।ळ की राशि का स्वामी शनि तथा छपींतपां की राशि का स्वामी बृहस्पति परस्पर सम राशियों में स्थित है। अतः ।छन्त।ळ और छपींतपां की परस्पर मित्रता का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति मन में प्रेम सदभावना तथा समर्पण का भाव होगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को सुख एवं सहयोग प्रदान करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही एक दूसरे के गुणों की मुक्त भाव से हमेशा प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे। इससे परस्पर सौहार्द का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति विश्वसनीय रहेंगे जिससे वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा।

।छन्त।ळ एवं छपींतपां की राशियां परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी तथा एक दूसरे के अस्तित्व को सम्मान पूर्वक ढंग से स्वीकार करेंगे तथा व्यक्तिगत मामलों में कम ही हस्तक्षेप करेंगे जिससे परस्पर सम्मान तथा सदभाव बना रहेगा। इसके अतिरिक्त ।छन्त।ळ एवं छपींतपां की प्रवृति एक दूसरे के लिए त्यागशील रहेगी तथा सक्रिय रूप से एक दूसरे का ध्यान रखेंगे।

।छन्त।ळ एवं छपींतपां का वश्य जलचर है। अतः इनकी अभिरूचियों में पूर्ण समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं भी एक ही होंगी। साथ ही काम संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे फलतः वैवाहिक जीवन के सुखद क्षणों को प्राप्त करने में सफल रहेंगे।

।छन्त।ळ का वर्ण वैश्य तथा छपींतपां का वर्ण ब्राह्मण है। अतः ।छन्त।ळ की प्रवृति धनार्जन की रहेगी तथा धन को विशेष महत्व देंगे परन्तु छपींतपां शैक्षणिक धार्मिक तथा अन्य सत्कार्यो को सम्पन्न करने में प्रवृत रहेंगी। अतः यदा कदा कार्य क्षेत्र में परस्पर मतभेद या असमानता का भाव उत्पन्न हो सकता है परन्तु सामान्यतया इनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

धन

।छन्त।ळ और छपींतपां दोनों की तारा सम हैं। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा तथा समान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में वे समर्थ होंगे। उनकी राशियां भी परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है जो शुभ भकूट माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से धनैश्वर्य एवं वैभव से ये नित्य युक्त रहेंगे परन्तु ।छन्त।ळ पर मंगल के अशुभ प्रभाव से यदा कदा सामान्य हानि या अनावश्यक व्यय का भी सामना करना

पड़ेगा।

जीवन में ।छन्।ळ को अनायास धन या लाभ प्राप्ति की संभावना रहेगी। छपींतपां के सौभाग्य से भी इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी परन्तु मंगल के दुष्भाव से ।छन्।ळ की प्रवृति अनावश्यक तथा अधिक मात्रा में विलासमय वस्तुओं पर व्यय करने की रहेगी। अतः ।छन्।ळ को चाहिए कि ऐसी प्रवृति की यत्नपूर्वक उपेक्षा करें।

स्वास्थ्य

।छन्।ळ अन्त्य तथा छपींतपां का जन्म मध्य नाड़ी में हुआ है। अतः नाड़ी दोष का इन पर कोई प्रभाव नहीं रहेगा तथा जीवन में गभीर खतरों से ये सुरक्षित रहेंगे। लेकिन मंगल का ।छन्।ळ और छपींतपां दोनों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव रहेगा जिससे दोनों धातु या गुप्त संबधी रोगों से परेशानी की अनुभूति कर सकते है। साथ ही ।छन्।ळ की संभोग शक्ति में शिथिलता एवं हृदय संबंधी रोग भी उत्पन्न हो सकता है। उन्हें मूत्र संबंधी कष्ट की भी उन्हें प्राप्ति होगी जिससे दाम्पत्य जीवन में अनावश्यक कलह तथा अशांति होगी। अतः इसके प्रभाव को कम करने के लिए ।छन्।ळ और छपींतपां को हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी रखने चाहिए।

संतान

संतति की दृष्टि से ।छन्।ळ और छपींतपां का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से इनको समय पर संतति प्राप्त होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों की अवस्था में अंतर भी अधिक नहीं रहेगा। इनकी कन्या संतति की अपेक्षा पुत्र संततियां अधिक मात्रा में होंगी।

सामान्यतया अन्य महिलाओं की तरह छपींतपां भी प्रसव संबंधी कष्ट के विषय में चितिंत रहेंगी परन्तु उनको इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता करने की आवश्यकता नहीं होगी क्योंकि इनके सभी प्रसव सामान्य रूप से सम्पन्न होंगे तथा प्रसव संबंधी कोई भी समस्या नहीं होगी। छपींतपां को गर्भपात या अन्य प्रसूति चिकित्सा संबंधी भय भी त्याग देना चाहिए। वह सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देंगी तथा स्वयं भी स्वस्थता की ही अनुभूति करेंगी।

इनके सभी बच्चे व्यवहार कुशल एवं अपने क्षेत्र में स्वपरिश्रम योग्यता एवं बुद्धिमता से प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे लेकिन माता की अपेक्षा पिता के लिए वे विशेष आज्ञाकारी रहेंगे। साथ ही कार्य क्षेत्र में भी अपनी बुद्धिमता एवं योग्यता से सर्वदा उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। इस प्रकार माता पिता को अपने सुदंर स्वस्थ एवं बुद्धिमान बच्चों पर गर्व की अनुभूति होगी तथा सुख शांति एवं प्रसन्नता से अपने पारिवारिक जीवन को व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

ससुराल-सुश्री

छपींतपां के अपने सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे तथा सास भी उसके विनम्र स्वभाव, मधुरवाणी तथा गृहणी के रूप में उससे पूर्ण प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगी।

छर्पीतपां भी अपनी सास को माता के समान व्यवहार एवं सम्मान प्रदान करेंगी तथा किसी भी गम्भीर समस्या का परस्पर सामंजस्य से समाधान करने में समर्थ रहेंगी।

साथ ही उसके ससुर भी उनकी सेवा तथा आदर के भाव से प्रसन्न रहेंगे तथा छर्पीतपां भी अपनी ओर से उनकी सेवा सुश्रूषा करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से उन्हें यथोचित सम्मान तथा सहयोग नहीं मिलेगा तथा इनकी प्रतिद्वन्दिता का भाव परस्पर दूरी बनाए रखेगा।

इसके अतिरिक्त सास ससुर का छर्पीतपां को ससुराल में पूर्ण स्नेह तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा वे सच्चे मन से उसे अपने परिवार में स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

।छन्द।ळ की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर ।छन्द।ळ सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन ।छन्द।ळ ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का ।छन्द।ळ के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।